

फर्द अहकाम

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी भीलवाडा

पिता मजलनाम श्री वडी पिता कालु पट्ट

दिनांक 11-1-28 किस्म प्राथिका पत्र

ORIO 7/18

12/1/18 जॉच ब्रद/प्राथनापत्र/अमील प्रस्तुत हुई, जिसका प्रकरण दर्ज जिस्टर होकर विधिवत प्रकियानुसार विपक्षीगणों/अप्रार्थीगणों को जरिये लवाना तलबी हो पत्रावली वास्ते सुनवायी हेतु दिनांक 16.1.28 को पेश हों।

उपखण्ड अधिकारी

भीलवाडा

16-2-18 पत्रावली पेश इई। दलील प्राची उपस्थित। विपक्षी क० १ के अन्तर्गत काड तामिल प्राप्त इई। किने दलील पत्रावली (पिमा गण) विपक्षीगण क० १ के अन्तर्गत उपस्थित नहीं। विपक्षी क० १ के अन्तर्गत अर्तब विपक्षीगण काकाई दिलई जाके अ उपरोक्त भी उपस्थित नहीं होने के कारण एक तरफ कार्यवाही प्रिये जाके अ कादेना प्रिये जाके ही विपक्षी क० १ का अन्तर्गत काड तामिल दलील तामिल प्राप्त रही इई। वास्ते विपक्षी क० १ का अन्तर्गत बदेतजार के पत्रावली दिनांक 12-3-18 को पेश हों।


12-3-18 पत्रावली पेश इई। दलील प्राची उपस्थित। दलील प्राची के विपक्षी अन्तर्गत अ ही तलबी जाकर जोकेरु अन्तर्गत पेश प्रिये। किने जारी प्रिये जाके। वास्ते विपक्षी क० १ की तलबी हेतु पत्रावली दिनांक 30-4-18 को पेश हों।

3-5-18 पत्रावली वाजस लोड ददालम प्रिये स्पाहेली पर पेश इई। प्राची व विपक्षीगण के अन्तर्गत काड तामिल। दलील तामिल प्राप्त नहीं इई। प्राची स्वयं उपस्थित। प्राची उर विपक्षीगण अने विपक्षी कोई कार्यवाही नहीं चाहेके के कार्यवाही D200 प्री जाती है- प्राची के अन्तर्गत अर्तब प्रिये चाही। दलील प्राची के अन्तर्गत कनी प्राची। अन्तर्गत अने अन्तर्गत दलील प्राची के अन्तर्गत पत्र प्री इई। अन्तर्गत अने अन्तर्गत अने अन्तर्गत प्राची पत्र के स्वीकार प्रिये जाके प्री इन्तर्गत प्री।

उपखण्ड अधिकारी भीलवाडा (राज.)

कार

पुणे पठावली का इक्विलिब्रियम किया गया। तथा यह क पर प्रकाश  
 किया गया। न्याय हित के धार्मिक का प्रमोशन प्रयत्न  
 111-128 L.R. A.H का स्वीकार किया जाता है। विस्तृत विवरण  
 पुस्तक में लिखा जा रहा है। न्याय पठावली किया गया।  
 निर्णय की प्रति लक्ष्मीलाल शीलवाड़ा को सिजवाले डा. लिखा  
 जावे। पठावली के काल सुमान श्री लाल इतर दासके हैं।

  
 मुखण्ड अधिकारी  
 शीलवाड़ा (राज.)

सेवामें

नारु  
 धूमड़ा

- श्री ब
- धूमड़ा
- श्री व
- धूमड़ा
- 1. श्री
- धूमड़ा
- 4. श्री
- धूमड़ा
- 5. श्री
- धूमड़ा
- 6. श्री
- धूमड़ा
- 7. श्री
- धूमड़ा
- 3. श्री
- धूमड़ा
- 9. र
- धूमड़ा
- प्र